

*h. diseases* : प्रतीकाराय रोगाणाम्, Bha. ; (3) नाशः etc. (=destruction), जनव्याधिविध्वंसनाय, Bha.

HEALING (adj.) : (1) शान्तिकरः (री, रं) ; (2) शान्तिदः (दा, दं) ; (3) शीतः (ता, तं) (=cool). Ph. : *the h. art* : आमयानां शमोपायः, Bha. : v. Medicine.

HEALTH : (1) आरोग्यम् (best equiv.) (also अरोगिता or अरोगता), *strength, h.* : शक्तिरागोग्यम्, Ph. : *to recover h.* : आरोग्यं प्राप्नोति ; *to wish h.* : आरोग्यमिच्छति, Kat. ; (2) स्वास्थ्यम्, *to keep h.* : स्वास्थ्यं रक्षति, Sr. ; (3) अनामयम् (rare), *says this, wishing you h.* : अनामयप्रश्नपूर्वकमिदमाह, Sa. v. *To be in good, bad h.* : सुस्थः (स्था, स्थं), अ- : v. Well, ill.

HEALTHFUL : I. Healthy : q.v. II. Wholesome : q.v.

HEALTH-GIVING : स्वास्थ्यकरः (री, रं) and sim. comp.s.

HEALTHILY, HEALTHFULLY : (1) सुस्थम् ; (2) निरामयम् ; etc.

HEALTHINESS : I. Of men : (1) स्वास्थ्यम् ; (2) अरोगिता and sim. comp.s. II. Of places : expr. by adj.

HEALTH-OFFICER : स्वास्थ्यधिकृतः (?) and sim. comp.s.

HEALTHY : I. Of men : (1) सुस्थः (स्था, स्थं) ; (2) अरोगः (गा, गं), निरामयः (या, यं) and sim. comp.s. (=without disease) ; (3) कुशलिन (f. नी) (=well : q.v.). II. Of places : (1) क्षेम्य (f. म्या), M. vii. 212. ; (2) अनामयक्षमः (मा, मं), K. b. and sim. comp.s. III. Of food : (1) हितः (ता, तं) (=good : q.v.) ; (2) पथ्य (f. ध्या), Sr. : v. Wholesome.

HEAP (subs.) : (1) राशिः, *h. s. of jewels* : रत्नराशीन्, Si. ; (2) चयः, नि-, सं-, *h. of ashes* : मस्मनां चयः, Ki. ; (3) पुञ्जः ; (4) पूगः ; (5) स्तोमः : v. Also pile.

HEAP (v.) : I. Lit. : (1) राशीकरोति, पूगीकरोति, etc. ; (2) चिनोति, सं-, नि-, आ-, प्र-, समा-. (चि, c. 5.) : v. Also to collect. II. Of favours etc. : वर्षति (वृष्, c. 1.) : v. To shower.

HEAR : I. Lit. : (1) शृणोति (श्रु, c. 5.), *he h. s*

*without ears* : शृणोत्यकर्णः, S. ; *we h. he will go to hermitage* : तपोवनं गमिष्यतीति श्रूयते, Mu. iv. ; *I will h. their confidential talk* : शृणोमि विश्वस्त-कथितान्यासाम्, Sa. iii. ; (2) आकर्णयति, सम्-, (कर्ण, c. 10.) (=perceive by the ear), *h. ing the noise of geese* : हंसनादानाकर्णयन्, B. ii. 7 ; (3) निशामयति (शम्, c. 10.) (rare), *h. ing of the success of enemies* : निशम्य सिद्धिं द्विषताम्, Ki. i. 27.

II. To listen to : शृणोति, [*princes*] *h. him who flatters day and night* : तस्य वचनं शृण्वन्ति योऽहंनिशं स्तौति, K. ; *a king after rising is to h. about all receipts and disbursements* : उत्थितेन राज्ञा कृत्स्नमायव्ययजातं श्रोतव्यम्, D. viii. III. In law : परयति (दृश्, c. 1.) (=to see), *he personally h. d complaints* : स स्वयं व्यवहारान् ददर्श, R. xvii. 39. IV. To receive letters : *I have not h.d from him for a long time* : \*बहोः कालात् तस्य पत्राणि न मयाधिगतानि ; *distressed at not h. ing (of him) for good many days* : बहुदिवसापगमे च वार्तया विनोत्ताम्यन्ती, K. ii. : v. Also to learn.

HEARER : (1) श्रोतृ (f. त्री), *you will get a h.* : लप्स्यसे श्रोतारम्, Mu. 1. ; (2) श्रावक (f. विका), *all those h. s* : सर्वानिव तान् श्रावकान्, K. ; (3) शृण्वत् (f. ती) (=actually hearing), *to draw the hearts of the h. s* : शृण्वतां मनो हर्तुम्.

HEARING (subs.) : I. The act : श्रवणम्, *from first h.* : प्रथमश्रवणात्, M.n. : v. To hear. II. The faculty : (1) श्रवणशक्तिः ; (2) श्रुतिः. III. An audience : q.v. : दर्शनम्. IV. Judicial : दर्शनम्, *of not h. or of h. improperly* : अदर्शनान्यथादर्शनयोः, Mit. V. Reach of the ear. : श्रवणविषयः. Ph. : *within h.* : श्रवणगोचरः (रा, रं) ; *out of h.* : असंश्रवः (वा, वं) ; *going beyond the h. of a cow's lowing* : गोरुतान्तरमतिक्रम्य, D.v.

HEARKEN : आकर्णयति (कर्ण, c. 10.) : v. Listen, hear.

HEARSAY : जनश्रुतिः : v. Rumour, Ph. : *h. evi- dence* : श्रुतसाक्ष्यम् (?), Mit.

HEARSE : (1) शवयानम् ; (2) प्रेतशकटम्, Say.

HEART : I. Lit. : हृदयम् or हृद् (n.), *has any body two h. s* : किं कस्यचिद्दृढद्वयं भवति, P. iv. 1. II. Fig. : (1) हृदयम्, *touching the h.* : हृदयग्राहिन् (f. ग्री), Ki. ; (2) चेतः, *the unsteady h. runs behind* : धावति